


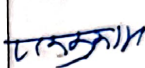
अज अदालत :- उपखण्ड अधिकारी, गढ़ी, जिला बांसवाड़ा
हरिचन्द्र पिता बाबरिया जाति लबाना
निवासी जालमपुरा मोर तहसील गढ़ी
जिला बांसवाड़ा।

बनाम

अबराज पिता बाबरिया जाति लबाना
निवासी जालमपुरा मोर तहसील गढ़ी
जिला बांसवाड़ा व अन्य।

किस्म मुकदमा:- अन्तर्गत 53, 209 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम ।

प्रकरण संख्या:- 2025 / 129

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय ईनिशियल जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए।
12.12.2025	<p>पत्रावली बाद जांच दर्ज रजिस्टर होकर पेश हुई। वादी हरिचन्द्र पिता बाबरिया जाति लबाना निवासी जालमपुरा मोर तहसील गढ़ी जिला बांसवाड़ा द्वारा प्रतिवादीगण अबराज पिता बाबरिया जाति लबाना निवासी जालमपुरा मोर तहसील गढ़ी जिला बांसवाड़ा व अन्य के विरुद्ध वाद प्रस्तुत किया गया। प्रतिवादीगण के नाम सम्मन जारी होकर पत्रावली दिनांक 30.12.2025 को पेश हो।</p> <p style="text-align: right;">  उपखण्ड अधिकारी गढ़ी </p>	
30.12.25	<p>पत्रावली पेश हुई प्रतिवादीगण के नाम जारी सम्मन बाद लगभग प्राप्त। प्रतिवादी सं. 02 की ओर से श्री शिवलाल पुरी अधिवक्ता का वकालतनामा पेश हुआ। शेष प्रतिवादीगण स्वयं उपस्थित। प्रतिवादीगण द्वारा प्रकरण में निवेदन पुर बताया गया कि वादी द्वारा जिन सर्वे नम्बरो का बटवारा हेतु पत्रा पेश किया गया है उन सर्वे नम्बर का दावा सम्मान पत्रकारों के मध्य पूर्व में विचारधिन रहकर इस न्यायालय द्वारा निश्चरित पुर किया गया है जिसकी माननीय न्यायालय भू मन्थ अधिकारी पदेन राजस्व अपील अधिकारी उदमपुर में विचारधिन पुर इस न्यायालय का निर्णय अपास्त पुर पुनः तहसीलदार को स्वयं मौके पर भेज पुर विभाजन प्रस्ताव भेजा जा पुर फसकारों की</p>	<p style="text-align: right;">  </p>

आपल्ले मेकर नये सिरे से निर्गम पारित
करने प्रकरण प्रतिप्रेषित किया है जो वर्तमान में
विचारार्थित चंकर प्रकरण सं. 2016/00692
उनवान हरिषचन्द्र बनाम अलखुराम नाम से
चल रहा है जिसकी आगामी पेशी दि. 28.1.26
को नियत है समान भूमि का समान प्रसङ्गों
के मध्य समान दाईराम या समान विवाद
का बाद उसी न्यायालय में नहीं चलाया जा
सकता है इसलिए बाद शरिफ क्रिये जाने का
निवेदन किया गया है पत्रावली का अवलोकन
किया गया है न्यायालय के प्रकरण 2016/00602
उनवान हरिषचन्द्र बनाम अलखुराम का
जिसकी आगामी तारीख पेशी दि. 28.1.2026
नियत है का अवलोकन किया गया है वही
जिन सर्वे नम्बरों का बाद भाग है उन सर्वे
नम्बरों का बाद पूर्व से इस न्यायालय में
चल रहा है समान सर्वे नम्बरों का समान
प्रसङ्गों के मध्य समान धाराओं में
एक ही न्यायालय में एक से अधिक बाद
विचारार्थित नहीं हो सकता है वही का यह
बाद चलने योग्य नहीं होने से शरिफ क्रिया
आता है पत्रावली केसक सुमार वे प्र नम्बर
से कम ही जा कर दाखिल पत्र है।